नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
7897475917, 9794299451
Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com
स्थापित २००५ ई.

पत्रांक................................ दिनांक : 07-08-2019

प्रकाशनार्थ

राष्ट्रगान के लेखक एवं नोबल पुरस्कार विजेता कवि रवीन्द्र नाथ टैगोर मनाते थे कि भारत विश्व के आध्यात्मिक चेतना का केन्द्र बन सकता है। रवीन्द्र नाथ टैगोर की रचानएं आज भी भारतीय अध्यात्म का दुनिया भर में प्रसार कर रही है। उनकी रचनाएँ, साहित्य, कविता संगीत, नाटक, निबन्ध, कहानी, चित्रकला तथा गीत समाजसेवा एवं सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित है। उन्होने साहित्य को देश सेवा का माध्यम चुना तथा जीवन पर्यन्त समाज सेवा में संलग्न रहे। उपर्युक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में प्राचार्य डॉ0 प्रदीप राव ने ठाकुर रवीन्द्र नाथ टैगोर पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि टैगोर जी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया आदि प्रमुख है। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई उपन्यास, निबन्ध, लघु कथाएँ, यात्रावृत्त, नाटक और हजारों गाने भी लिखे। उन्हे अपनी रचनाओं के लिए नाइटहुड की पदवी से सम्मानित किया गया था जिसे उन्होने जलियावाला बाग हत्याकाण्ड के विरोध में वापस कर दिया। प्रकृति के सानिध्य में पेड़ों, बागीचों और एक पुस्तकालय के साथ शन्तिनिकेतन की स्थापना की। प्रकृति के साथ गहरा लगाव रखने वाले यह प्रकृति प्रेमी ऐसे एकमात्र व्यक्ति हैं जिन्होने दो देशों भारत तथा बांग्लादेश का राष्ट्रगान लिखा। भारत रवीन्द्रनाथ टैगोर को उनके योगदान, समर्पण तथा समाज सेवा के लिए सदैव याद करता रहेगा।

कार्यक्रम में डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 आर0एन0 सिंह, डॉ0विजय चौधरी, श्री सुबोध मिश्र, डॉ0 आरती सिंह, डॉ0 सौरभ सिंह, डॉ0 सुभाष कुमार गुप्ता, सुश्री श्वेता चौबे, डॉ0 राजेश शुक्ल, श्री कृष्ण कुमार पाठक तथा डॉ0 शिव कुमार वर्नवाल सहित शिक्षक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

08 अगस्त को विशिष्ट व्याख्यान

जम्मू एवं कश्मीर का बदलता परिदृश्य अनुछेच्द 370 से संघ राज्य क्षेत्र तक विषय पर महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में कल दिनांक गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र के अध्यक्ष प्रो0 गोपाल प्रसाद का व्याख्यान पूर्वह्न 11 बजे से होगा।

(वागीश राज पाण्डेय)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी